

प्रदेश में 16 सरदार पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र होंगे विकसित

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया करवाए जा सकें, इसके लिए राज्य सरकार प्रदेश में 16 सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र (एसवीपीईआईजेड) विकसित करेगी। इसमें एमएसएमई व यूपीसीडी के क्षेत्र में 5-5 एसवीपीईआईजेड बनाए जाएंगे। वहीं, यूपीडी और यमुना एक्सप्रेस-वे अर्थोर्टी में 2-2 और ग्रेटर नोएडा, गीढ़ और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 1-1 एसवीपीईआईजेड केंद्र विकसित किए जाएंगे। इन क्षेत्रों में युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश में 9 हब एंड स्पोक जोन विकसित किए जाएंगे। ये जोन गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद एवं हापुड़, सहारनपुर मंडल के साथ मेरठ, बागपत और बुलंदशहर, मुरादाबाद एवं बरेली मंडल, आगरा एवं अलीगढ़ मंडल, लखनऊ एवं अयोध्या मंडल, कानपुर एवं प्रयागराज मंडल, चित्रकूट, झांसी एवं विंध्याचल मंडल, वाराणसी एवं आजमगढ़ मंडल तथा गोरखपुर, बस्ती एवं देवीपाटन मंडल में विकसित किए जाएंगे। हर जोन स्थानीय औद्योगिक क्षमता, उपलब्ध संसाधनों और निवेश की संभावनाओं के अनुरूप विकसित होगा।

क्या होगा एसवीपीईआईजेड में : हर

■ उद्योगों को मिलेगा विश्वस्तरीय कुराल मानव संसाधन, युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर
■ युवाओं के लिए बनेगा 'वन स्टॉप' रोजगार इकोसिस्टम, एसवीपीईआईजेड में प्रशिक्षण से उद्योग स्थापना तक मिलेगी सभी सुविधाएं



एसवीपीईआईजेड को वन स्टॉप इंडस्ट्रियल, स्किल ऐंड एम्प्लॉयमेंट इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां कौशल विकास केंद्र, औद्योगिक भूखंड, प्लग ऐंड प्ले औद्योगिक शेड, साझा सुविधा केंद्र, रोजगार सहायता केंद्र, उद्यमिता सहायता केंद्र, डिजिटल साक्षरता, विदेशी भाषा प्रशिक्षण, व्यावसायिक सेवाएं तथा आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्लग ऐंड प्ले व्यवस्था के तहत उद्यमियों को तैयार औद्योगिक परिसर, विद्युत, जल, सड़क और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

हर हब में होगा एसपीवी का गठन : एमएसएमई विभाग के अधिकारियों के मुताबिक हर हब के लिए एसपीवी का गठन किया जाएगा। संबंधित हब के प्रमुख निवेशक को उसका अध्यक्ष बनाया जाएगा।

परियोजना का भूमि उपयोग भी आधुनिक औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप निर्धारित किया गया है। इसमें कौशल विकास, औद्योगिक इकाइयों, प्लग ऐंड प्ले सुविधाओं, हरित क्षेत्र, सड़क एवं आधारभूत संरचना तथा वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए पृथक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। जहां पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं होगी, वहां बहुमंजिला औद्योगिक परिसर और पलैटेड फैक्ट्री मॉडल अपनाया जाएगा।

— शशि भूषण लाल सुशील, प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

इससे उद्योगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी और परियोजना का संचालन अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख होगा।